एशिया के जलवायु विभाग
(CLIMATIC REGIONS OF ASIA)

एशिया महाद्वीप की जलवायु में चार तत्वों प्रभाव का प्रधान रूप से देखने को मिलता है :

1. एशिया महाद्वीप की विशालताओं का प्रभाव,
2. एशिया महाद्वीप के मध्य में उठी पर्वत श्रेणियों का प्रभाव,
3. ग्रीष्मकालीन मानसून का प्रभाव,
4. शीतकालीन मानसून का प्रभाव।

उपर्युक्त प्रभावों के कारण ही एशिया महाद्वीप के भिन्न-भिन्न भागों में भिन्न-भिन्न प्रकार की जलवायु दशाएं मिलती हैं जिसके फलस्वरूप संसार की लगभग प्रत्येक प्रकार की जलवायु इस महाद्वीप में पाई जाती है।

एशिया महाद्वीप के जलवायु विभागों का वर्गीकरण अनेक भूगोलवेत्ताओं द्वारा दिया गया है, इनमें कुछ मान्य वर्गीकरण इस प्रकार हैं :

1. व्लाडिमिर कोपेन का वर्गीकरण,
2. सी. वारेन थार्नथ्वेट का वर्गीकरण,
3. एल. डब्ल्यू. लॉयड का वर्गीकरण,
4. एल. डडले स्टाम्प का वर्गीकरण,
5. सामान्य वर्गीकरण।

Scanned with CamScanner

कोपेन का वर्गीकरण (Koeppen's Classification)

कोपेन ने अपने जलवायु वर्गीकरण में वनस्पति एवं जीव जगत पर जलवायु के प्रभाव को विशेष महत्वपूर्ण माना है। इन्होंने जलवायु को वर्गीकृत करने के लिए अंग्रेजी के बड़े अक्षरों A, B, C, D तथा E द्वारा प्रदर्शित किया जो इस प्रकार है :

A उष्ण कटिबन्धीय आर्द्र जलवायु (Tropical Wet Climate)
B शुष्क जलवायु (Dry Climate)
C उष्ण-शीतोष्ण आर्द्र जलवायु (Warm Temperate Humid Climate)
D शीत-शीतोष्ण जलवायु (Cold-Temperate Climate)
E-ध्रुवीय जलवायु (Polar Climate)

उपर्युक्त भागों के कुछ उपविभाग किए गए हैं जिन्हें अंग्रेजी के अक्षरों द्वारा दर्शाया गया है जो इस प्रकार हैं :

B वर्ग की जलवायु को दो भागों में बांटा है :
BS-स्टेपी एवं BW-मरुस्थलीय
E वर्ग की जलवायु को ET टुण्ड्रा तथा EF हिमाच्छादित

इनके अतिरिक्त कुछ अंग्रेजी के छोटे अक्षरों का भी प्रयोग करके एशिया को जलवायु विभागों में विभाजित किया है।

कोपेन ने अपने उपर्युक्त वर्गीकरण में तापमान के वितरण तथा वर्षा प्राप्त करने के समय को स्पष्ट रूप से समझाने के लिए इन वृहत पांच क्षेत्रों को अनेक उप-भागों में बांटा है। इन उप-भागों को व्यक्त करने के लिए कोपेन महोदय ने कुछ अन्य अक्षरों का प्रयोग किया है। ध्रुवीय जलवायु वाले क्षेत्रों में जहां तापमान हिमांक से नीचा रहता EF से बोध किया है। उच्च पर्वतीय क्षेत्रों पर जो वर्ष भर बर्फ से ढके रहते हैं उन्हें भी E शब्द से सम्बोधित किया है। B शब्द का प्रयोग शुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों के लिए किया है। BW मरुस्थलीय क्षेत्र के लिए तथा BS शुष्क स्टेपी क्षेत्र के लिए प्रयोग किया है। B क्षेत्र में एशिया महाद्वीप के आन्तरिक भागों को सम्मिलित किया है जहां ग्रीष्मकाल में तापमान उच्च रहता है और शीत ऋतु प्रायः ठण्डी रहती है। रूसी तुर्किस्तान तथा मंगोलिया में शीत ऋतु अधिक ठण्डी रहती है इसलिए रूसी तुर्किस्तान को BWkw तथा मंगोलिया को BSkw से व्यक्त किया है। C क्षेत्र शीतोष्ण जलवायु वाले क्षेत्र हैं जिनका विस्तार चीन, मध्य जापान तथा उत्तरी भारत पर है। इन क्षेत्रों में आर्द्र जलवायु है तथा शीत ऋतु शुष्क रहती है। इन क्षेत्रों को Cw से दर्शाया गया है। दक्षिणी जापान में वर्षा निरन्तर होती है इसलिए इस क्षेत्र को Cfa से व्यक्त किया है। दक्षिणी-पश्चिमी एशिया के गर्म एवं शुष्क क्षेत्र को Csa से व्यक्त किया गया है जबकि कोपेन महोदय ने पश्चिमी भारत के शुष्क प्रदेश को Cwg से व्यक्त किया है।

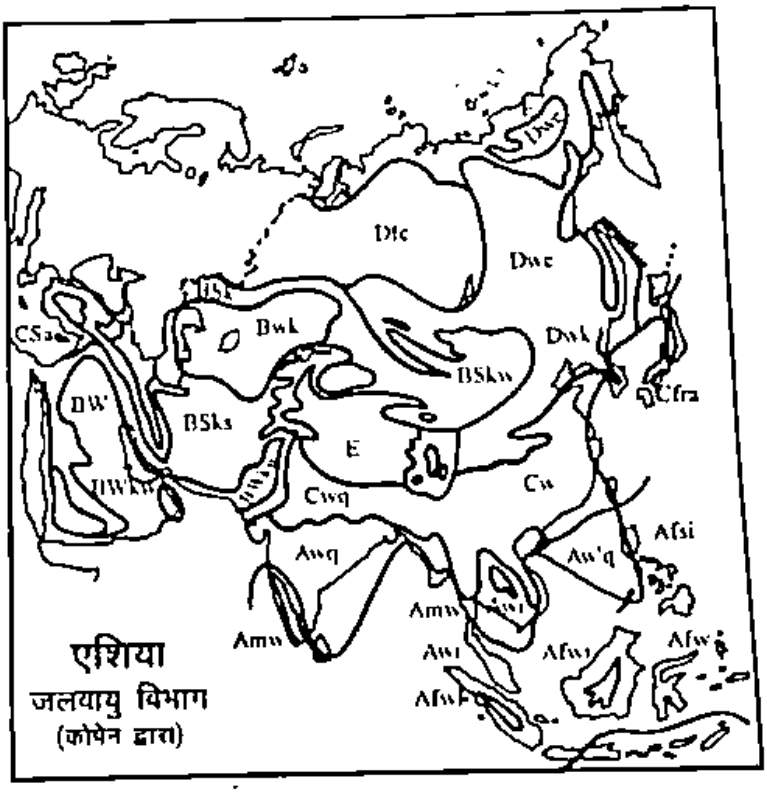

चित्र 7

D उपध्रुवीय क्षेत्रों को दर्शाने के लिए प्रयोग किया गया है। D क्षेत्र का विस्तार साइबेरिया, मंचूरिया, उत्तरी एवं मध्य तुर्किस्तान क्षेत्र पर है। टुण्ड्रा प्रदेश के साइबेरिया के पश्चिमी भाग को Dfc से व्यक्त किया गया है। उत्तरी कोरिया, मंचूरिया तथा दक्षिणी-पूर्वी साइबेरिया के भाग को जहां शीत ऋतु में तापमान 10°C

Scanned with CamScanner

के लगभग रहता है Dwa से तथा पूर्वी साइबेरिया को Dwc से व्यक्त किया गया है। A शब्द का प्रयोग अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों के लिए किया गया है। A वाले क्षेत्रों के अन्तर्गत दक्षिणी भारत, श्रीलंका, दक्षिण म्यांमार, थाईलैण्ड, वियतनाम, मलेशिया, इण्डोनेशिया तथा फिलीपाइन आते हैं। वर्ष भर उच्च तापमान एवं वर्ष भर पर्याप्त वर्षा वाले क्षेत्रों को Afw से दर्शाया है। इसके अन्तर्गत सुमात्रा, बोर्नियो, पश्चिमी इण्डोनेशिया, सुलावेसी, इत्यादि आते हैं। मलाया प्रायद्वीप, कम्बोडिया तथा दक्षिणी वियतनाम जहां वर्षा मानसूनी तथा ग्रीष्म ऋतु में होती है, को Awi द्वारा व्यक्त किया गया है। दक्षिणी भारत को Awg द्वारा व्यक्त किया गया है।

थार्नथ्वेट का वर्गीकरण (Thornthwaite's Classification)

थार्नथ्वेट महोदय ने अपने जलवायु वर्गीकरण को दो विशिष्ट भागों में विभाजित किया। प्रथम वर्गीकरण 1931 तथा 1933 में तथा द्वितीय 1948 में प्रस्तुत किया। इन्होंने 1955 में अपने जलवायु वर्गीकरण में कुछ संशोधन भी किया।

थार्नथ्वेट ने अपने जलवायु विभागों के वर्गीकरण में मुख्य रूप से दो तत्वों का आधार माना है—वर्षा तथा तापमान।

वर्षण प्रभाविता के आधार पर विभाजन

क्र.	आर्द्रता का विभाजन	वनस्पति	वर्षा, वाष्पीकरण का सूत्र (P/E)
			वर्षा (सेमी)
A	अधिक तर	अधिक वर्षा वाले वन	320 से अधिक
B	आर्द्र	वन	160 से 318
C	कम आर्द्र	घास के जंगल	80 से 157
D	अर्द्ध-शुष्क	स्टेपी जंगल	40 से 78
E	शुष्क	मरुस्थली	40 से कम

तापीय दक्षता के आधार पर भेद

भेद	तापीय प्रदेश	T/E सूत्र
		वर्षा (सेमी)
A'	उष्ण कटिबन्धीय	320 से अधिक
B'	मध्य तापीय	160 से 318
C'	न्यून तापीय	80 से 157
D'	टैगा	40 से 78
E'	टुण्ड्रा	3 से 37
F'	हिमाच्छादित	0 से कम

वर्षा के मौसमी वितरण को प्रदर्शित करने के लिए थार्नथ्वेट महोदय ने निम्नलिखित अक्षरों का प्रयोग किया :

r-साल भर अधिक वर्षा
w-शीत ऋतु में कम वर्षा
d-साल के प्रत्येक माह में कम वर्षा
s-ग्रीष्म ऋतु में कम वर्षा
w'-वसन्त ऋतु में कम वर्षा

विश्व के जलवायु विभागों का वर्णन करते हुए थार्नथ्वेट ने विश्व को 32 जलवायु विभागों में बांटा है। इन 32 प्रकार की जलवायु में से एशिया महाद्वीप में 21 प्रकार की जलवायु मिलती है। इसी आधार पर एशिया महाद्वीप को थार्नथ्वेट ने 21 जलवायु विभागों में बांटा है जो निम्नलिखित हैं :

(1) AA'r भूमध्य रेखीय वन प्रदेश।
(2) AB'r क्यूशू (जापान) का कुछ भाग।
(3) AC'r मुख्य जापान का पूर्वी भाग तथा व्लाडीवोस्टक से उत्तर का एशियाई तट।
(4) BA'w दक्षिणी-पूर्वी एशिया के मानसून वन तथा म्यांमार, श्रीलंका व जावा।
(5) BB'r पूर्वी द्वीपसमूह, जावा व कोरिया के भीतरी भाग।
(6) BB'w दक्षिणी चीन, असम तथा ताइवान।
(7) BC'r होकैडो तथा सखालिन।

Scanned with CamScanner

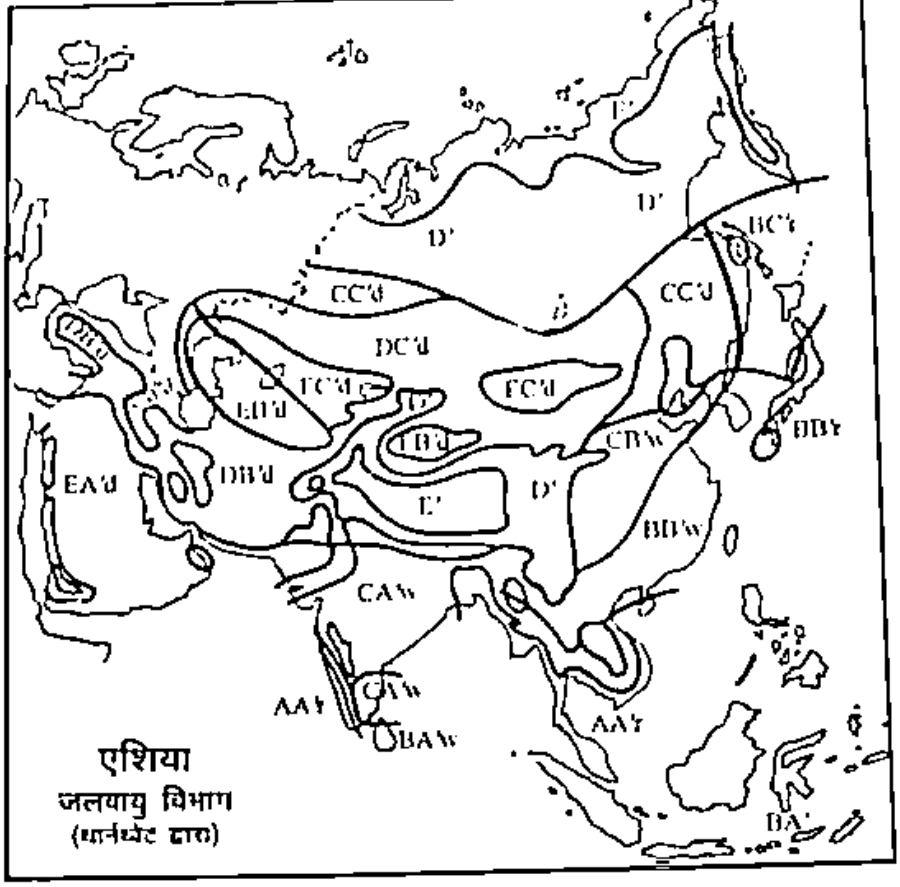

चित्र 8. थार्नथ्वेट द्वारा जलवायु विभाग

(8) CA'w दकन प्रायद्वीप तथा कम्बोडिया, लाओस तथा वियतनाम का भीतरी भाग।
(9) CB'w म्यांमार का शुष्क भाग तथा हिमालय के ढाल।
(10) CB'd एशिया माइनर (टर्की) तट, दक्षिणी-पश्चिमी अरब।
(11) CC'd स्टेपी तथा मंचूरिया।
(12) DA'w थार की मरुभूमि का अंश।
(13) DA'd अरब का पश्चिमी तट।
(14) DB'w पंजाब का प्रदेश।
(15) DB'd अनातोलिया, ईरान, सीरिया तथा फिलिस्तीन।
(16) DC'd मध्य मंचूरिया तथा एशिया।
(17) EA'd अरब और थार मरुभूमि के अंश।
(18) EB'd तूरान का अंश, तारिम बेसिन, ईरान का रेगिस्तानी भाग, सिन्धु घाटी।
(19) FC'd गोबी की मरुभूमि तथा उत्तरी तूरान।
(20) D' टैगा के कोणधारी वन।
(21) E' टुण्ड्रा प्रदेश तथा तिब्बत।

लॉयड का वर्गीकरण (Lloyd's Classification)

लॉयड ने जलवायु के तत्वों को ध्यान में रखते हुए एशिया महाद्वीप के जलवायु विभागों का वर्गीकरण बहुत साधारण एवं सरल रूप में प्रस्तुत किया है। लॉयड ने एशिया को निम्नलिखित 12 जलवायु प्रदेशों में बांटा है :

(1) टुण्ड्रा प्रदेश, (2) ओब प्रदेश, (3) लीना प्रदेश,
(4) कमचटका प्रदेश, (5) शीतोष्ण मानसूनी प्रदेश, (6) उष्ण मानसूनी प्रदेश,
(7) भूमध्यरेखीय प्रदेश, (8) तिब्बत-गोबी प्रदेश, (9) ईरान-सिन्धु प्रदेश,
(10) अरब-कैस्पियन प्रदेश, (11) भूमध्य सागरीय प्रदेश,
(12) व्यापारिक वायु क्षेत्रीय मरु प्रदेश।

Scanned with CamScanner

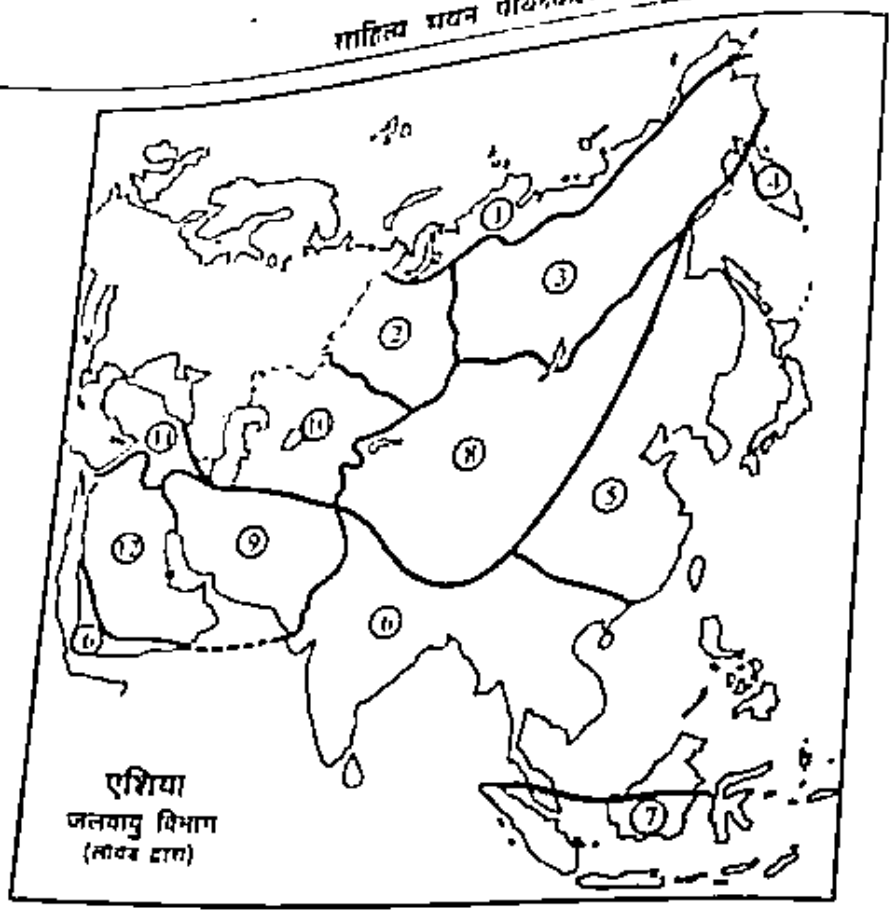

चित्र 9 लॉयड के जलवायु विभाग

स्टाम्प का वर्गीकरण (Stamp's Classification)

स्टाम्प ने एशिया महाद्वीप की विशालता के कारण यहां अनेक प्रकार की जलवायु का पाया जाना बताया है। उन्होंने एशिया महाद्वीप को 10 प्रमुख जलवायु विभागों में बांटा है :

(1) भूमध्यरेखीय जलवायु।
(2) उष्ण कटिबन्धीय मानसूनी जलवायु।
(3) चीन तुल्य जलवायु अथवा गर्म शीतोष्ण पूर्वी तटीय जलवायु।
(4) मंचूरिया तुल्य जलवायु अथवा शीत-शीतोष्ण पूर्वी तटीय जलवायु।
(5) उष्ण मरुस्थलीय जलवायु।
(6) मध्य अक्षांश मरुस्थलीय जलवायु।
(7) भूमध्यसागरीय जलवायु।
(8) मध्य अक्षांशीय महाद्वीप अथवा मध्य अक्षांशीय घास के मैदान तुल्य जलवायु।
(9) शीत-शीतोष्ण जलवायु अथवा उत्तरी कोणधारी वनों की जलवायु।
(10) आर्कटिक मरुस्थलीय जलवायु अथवा टुण्ड्रा जलवायु।

सामान्य-वर्गीकरण-(General Classification)

उपर्युक्त जलवायु के वर्गीकरणों को ध्यान में रखते हुए एवं महाद्वीप की जलवायु की दशाओं का विस्तार में अध्ययन करते हुए हम एशिया महाद्वीप को सामान्य रूप से निम्न वर्णित जलवायु विभागों में बांट सकते हैं जो कि एशिया महाद्वीप के प्राकृतिक विभाग भी होते हैं :

(अ) उष्ण कटिबन्धीय जलवायु—(1) भूमध्यरेखीय जलवायु, (2) मानसूनी जलवायु, (3) उष्ण मरुस्थलीय जलवायु।

(ब) गर्म शीतोष्ण कटिबन्धीय जलवायु—(4) भूमध्यरेखीय जलवायु, (5) ईरान तुल्य जलवायु, (6) तूरान तुल्य जलवायु, (7) चीन तुल्य जलवायु।

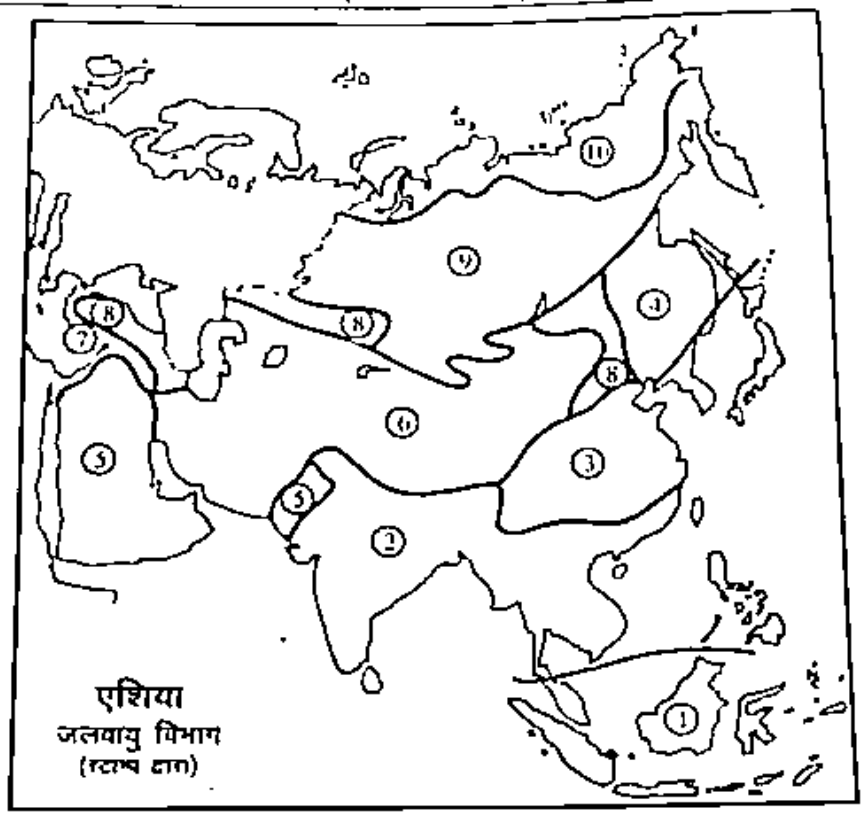

चित्र 10

(स) शीत शीतोष्ण कटिबन्धीय जलवायु—(8) मंचूरिया तुल्य जलवायु, (9) तिब्बत तुल्य जलवायु, (10) अल्टाई तुल्य जलवायु, (11) प्रेयरी तुल्य जलवायु।

(द) शीत कटिबन्धीय जलवायु—(12) टैगा तुल्य जलवायु, (13) टुण्ड्रा तुल्य जलवायु।

(1) भूमध्यरेखीय जलवायु—यह जलवायु भूमध्य रेखा के 5° उत्तरी तथा दक्षिणी अक्षांशों के मध्य स्थित पूर्वी द्वीपसमूह, श्रीलंका तथा मलाया प्रायद्वीप में पाई जाती है। इस जलवायु की सबसे बड़ी विशेषता वर्ष भर प्रचुर वर्षा एवं तापमान है। यह प्रदेश उत्तरी-पूर्वी तथा दक्षिणी-पूर्वी व्यापारिक आर्द्र हवाओं के मार्ग में पड़ता है इसलिए यहां वर्ष भर वर्षा होती है। वर्षा प्रायः प्रतिदिन सायंकाल होती है। वर्षा में बड़ा घनघोर तथा मूसलाधार पानी पड़ता है। इसे संवाहनीय वर्षा (Convectional Rain) कहते हैं। वर्षा का वार्षिक औसत 200 सेमी से अधिक है। तापमान वर्ष-भर लगभग एक-सा रहता है। औसत तापमान लगभग 27° सेण्टीग्रेड रहता है। दैनिक तापमान अधिक-से-अधिक 31° सेण्टीग्रेड तथा कम-से-कम 25° सेण्टीग्रेड रहते हैं। दैनिक तापान्तर केवल 3° से 6° सेण्टीग्रेड होता है।

(2) मानसूनी जलवायु—इस प्रकार की जलवायु के अन्तर्गत भारत, पाकिस्तान, बांग्ला देश, म्यांमार, कम्बोडिया, लाओस, वियतनाम, दक्षिणी चीन, जापान तथा फिलीपाइन द्वीपसमूह सम्मिलित हैं। इन भागों में हवाएं मौसम के अनुसार चलती हैं इसलिए इस प्रकार की जलवायु को मानसूनी जलवायु कहते हैं। इस जलवायु में गर्मी तथा सर्दी की दशाएं प्रमुख होती हैं। गर्मी की ऋतु में भीषण गर्मी पड़ती है और मैदानी भागों में तापमान 40° सेण्टीमीटर के लगभग मिलता है। समुद्रतटीय भागों में तापमान 26° सेण्टीग्रेड रहता है तथा दक्षिणी एवं तटवर्तीय भागों में तापमान लगभग 23° सेण्टीग्रेड होता है। वर्षा गर्मियों में अधिक होती है, क्योंकि इस ऋतु में हवाएं जल से थल की ओर चलती हैं। इन प्रदेशों में वर्षा की मात्रा भिन्न-भिन्न है और यह धरातल की बनावट पर निर्भर करती है। दक्षिणी-पूर्वी चीन तट, भारत के पश्चिमी घाट तथा असम की पहाड़ियों पर वर्षा का औसत 500 सेण्टीमीटर से अधिक है जबकि उत्तरी-पश्चिमी भारत में केवल 26 सेण्टीमीटर वर्षा होती है।

Scanned with CamScanner

(3) **उष्ण मरुस्थलीय जलवायु**—इसी प्रकार की जलवायु एशिया महाद्वीप के दक्षिणी-पश्चिमी भाग अरब, सीरिया, पश्चिमी इराक तथा भारत के थार मरुस्थल में पाई जाती है। इस जलवायु की विशेषता उच्च तापमान तथा अत्यन्त निम्न वर्षा एवं शुष्कता है। गर्मियों में सामान्य रूप से तापमान 30° सेण्टीग्रेड के लगभग रहता है। इस प्रकार की जलवायु में दैनिक तापान्तर भी बहुत अधिक मिलता है जो लगभग 20° सेण्टीग्रेड तक पहुंच जाता है। इस जलवायु में गर्मियों में दिन गर्म, धूल भरी आंधियां एवं चमकदार धूप पड़ती है तथा रात्रि में आकाश स्वच्छ हो जाता है और रातें ठण्डी हो जाती हैं, क्योंकि रात्रि में तापमान गिर जाता है। सर्दियों में रात्रि में तापमान हिम बिन्दु तक पहुंच जाता है और कहीं-कहीं बर्फ भी जम जाती है।

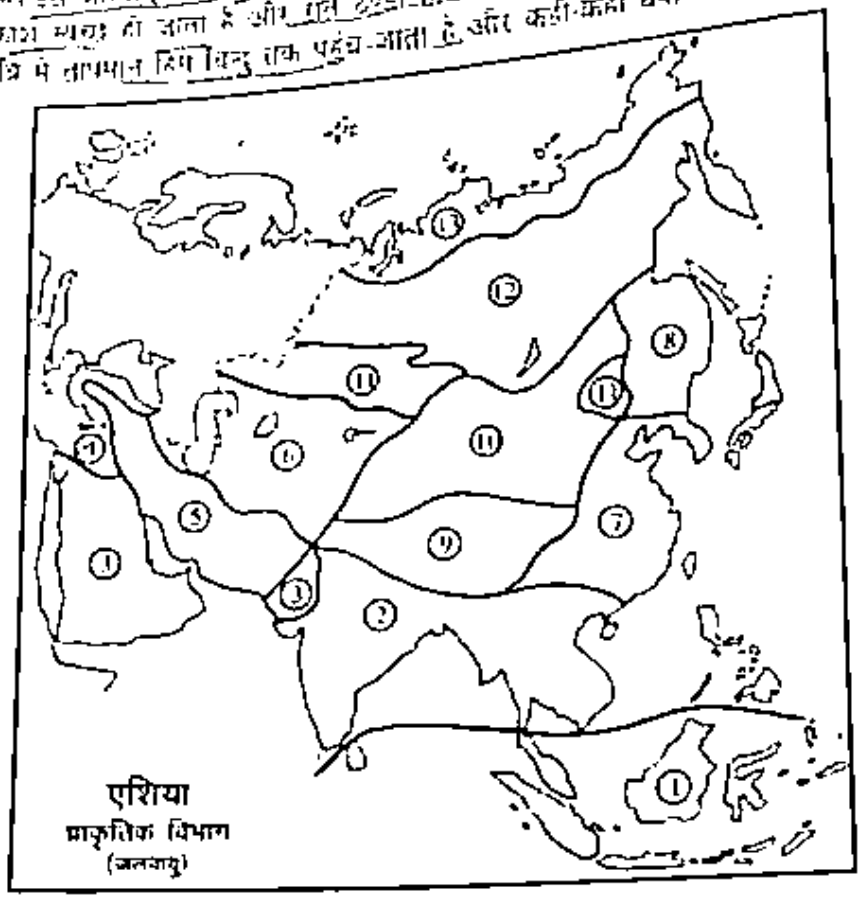

चित्र 11

(4) **भूमध्यसागरीय जलवायु**—इस प्रकार की जलवायु भूमध्य सागर के निकट साइप्रस, जोर्डन, इज़रायल, लेबनान, टर्की तथा सीरिया के कुछ भागों में पाई जाती है। इस प्रकार की जलवायु की सबसे बड़ी विशेषता गर्मियों में बहुत गर्मी, स्वच्छ आकाश तथा सर्दियों में वर्षा है। गर्मियों में औसत तापमान लगभग 24° सेण्टीग्रेड तथा सर्दियों में लगभग 8° सेण्टीग्रेड रहता है। वर्षा गर्मी में बहुत कम होती है और प्रायः सारी वर्षा सर्दियों में होती है। वर्षा का वार्षिक औसत 50 से 75 सेण्टीमीटर है। वर्षा जाड़े की ऋतु में पछुआ हवाओं के साथ आने वाले चक्रवातों द्वारा होती है।

(5) **ईरान तुल्य जलवायु**—यह जलवायु मुख्य रूप से ईरान, पूर्वी इराक तथा अफगानिस्तान में पाई जाती है। इस जलवायु की विशेषता यह है कि गर्मी खूब तेज पड़ती है और सर्दी में तापमान हिम बिन्दु से भी नीचे गिर जाता है। रात्रि में ओस पड़ती है और कोहरा भी पड़ता है। गर्मियों में तापमान 45° सेण्टीग्रेड तक पहुंच जाता है, धूप तेज पड़ती है, आकाश स्वच्छ रहता है। सर्दियों में कड़ी ठण्ड पड़ती है और तापमान 0° सेण्टीग्रेड से भी कम हो जाता है। वर्षा यहां सर्दियों में ही होती है। वर्षा का वार्षिक औसत 25 सेण्टीमीटर के लगभग है। वर्षा का अधिकांश भाग बर्फ के रूप में पड़ता है। वर्षा की कमी के कारण इस जलवायु के प्रदेश शुष्क रह जाते हैं।

(6) **तूरान तुल्य जलवायु**—इस प्रकार की जलवायु एशिया के आन्तरिक भाग में मिलती है। मध्य एशिया का पश्चिमी भाग समुद्र से दूर होने के कारण समुद्र के समकारी प्रभावों से वंचित रह जाता है अतः अत्यधिक

Scanned with CamScanner

महाद्वीपीयता के कारण इस भाग की जलवायु स्थलीय जलवायु है जिसकी प्रमुख विशेषता गर्म एवं शीतल गर्मियां, कड़ी सर्दियां तथा वर्षा की न्यूनता है। ग्रीष्म ऋतु बड़ी गर्म होती है और तापमान लगभग 40° सेण्टीग्रेड मिलता है। सर्दियों में प्रायः सभी भागों में तापमान हिम बिन्दु से नीचे गिर जाता है और बर्फ जम जाती है। वर्षा प्रायः सर्दी के बराबर होती है। सर्दियां पूर्ण शुष्क हो जाती हैं। जो कुछ वर्षा होती है वह केवल गर्मियों में होती है जिसका औसत 20 सेण्टीमीटर से कम है।

(7) **चीन-तुल्य जलवायु**—इस प्रकार की जलवायु मध्य एवं उत्तरी चीन, दक्षिणी कोरिया तथा जापान द्वीपसमूह में पाई जाती है। इस जलवायु की मुख्य विशेषता गर्मियों में जल-वृष्टि, कठोर सर्दियां तथा चक्रवातों की प्रधानता है। गर्मियों में यहां पर्याप्त गर्मी पड़ती है और तापमान 28° सेण्टीग्रेड के आस-पास मिलता है। सर्दियों में यहां कठोर सर्दी पड़ती है और मध्य एशिया से आने वाली ठण्डी बर्फीली और शुष्क हवाओं के कारण तापमान बहुत गिर जाता है और बर्फ जम जाती है। तापमान 0° सेण्टीग्रेड से भी नीचे मिलता है। यहां वर्षा प्रधान रूप से गर्मियों में होती है। गर्मियों में समुद्र से चलने वाली हवाएं घनघोर वर्षा करती हैं। तटवर्ती एवं पहाड़ी भाग सबसे अधिक वर्षा प्राप्त करते हैं। वर्षा का वार्षिक औसत लगभग 100 सेण्टीमीटर है। उष्ण कटिबन्धीय चक्रवातों, जिसमें **टाइफून** (Typhoon) प्रमुख है, का प्रभाव अधिक रहता है। इन चक्रवातों से पर्याप्त मात्रा में वर्षा हो जाती है।

(8) **मंचूरिया-तुल्य जलवायु**—इस प्रकार की जलवायु मंचूरिया, उत्तरी कोरिया, सखालिन तथा उत्तरी जापान में पाई जाती है। इस प्रकार की जलवायु की विशेषता साधारण गर्मी, कठोर शीत तथा वार्षिक तापान्तर की अधिकता है। इन प्रदेशों में उत्तर की ओर से आने वाली ठण्डी बर्फीली तथा शुष्क हवाओं के कारण तापमान 22° सेण्टीग्रेड मिलता है। वार्षिक तापान्तर अधिक मिलता है जो लगभग 40° सेण्टीग्रेड तक मिलता है। वर्षा जाड़ों की अपेक्षा गर्मियों में अधिक होती है। कुछ वर्षा सर्दी की ऋतु में चक्रवातों द्वारा भी हो जाती है। वर्षा का वार्षिक औसत लगभग 35 सेण्टीमीटर है।

(9) **तिब्बत-तुल्य जलवायु**—इस प्रकार की जलवायु एशिया महाद्वीप में तिब्बत तथा पामीर के पठार पर मिलती है। इस जलवायु की विशेषता गर्म एवं छोटी गर्मी की ऋतु, कठोर सर्दियां तथा दैनिक तापान्तर की अधिकता है। तिब्बत तथा पामीर दोनों ही पठार समुद्र तल से 3,500 मीटर से अधिक ऊंचे हैं और चारों ओर से ऊंची पर्वत श्रेणियों से घिरे हुए हैं। इसलिए यहां जलवायु में विषमता मिलती है। ग्रीष्म ऋतु छोटी होती है और इस ऋतु में तापमान लगभग 20° सेण्टीग्रेड मिलता है। सर्दियां कठोर पड़ती हैं और इस ऋतु में तापमान हिमांक बिन्दु से भी नीचे पहुंच जाता है और शीत ऋतु का औसत तापमान – 15° सेण्टीग्रेड मिलता है। पर्वत शिखरों तथा आस-पास की घाटियों आदि सभी भागों में बर्फ जम जाती है। सर्दियों में पाला पड़ता है। दैनिक तापान्तर बहुत अधिक मिलता है। वर्षा गर्मियों में अधिक होती है। सर्दियों में वर्षा बर्फ के रूप में होती है। वर्षा का औसत 50 से 75 सेण्टीमीटर है।

(10) **अल्टाई-तुल्य जलवायु**—एशिया महाद्वीप के मध्य भाग में अल्टाई पर्वत श्रेणी के आस-पास के भागों में इस प्रकार की जलवायु मिलती है। इस जलवायु की मुख्य विशेषता सामान्य गर्मियां, कड़ी एवं लम्बी सर्दियां तथा तापमान की कमी है। गर्मियां बहुत साधारण और छोटी होती हैं। गर्मियों का तापमान केवल 10° सेण्टीग्रेड है। सर्दियां बड़ी कठोर एवं लम्बी होती हैं, अत्यन्त शीतल एवं बर्फीली हवाएं चलती हैं जो तापमान को बहुत गिरा देती हैं। सर्दियों में – 25° सेण्टीग्रेड तापमान मिलता है। तापान्तर भी अधिक मिलता है। ऊंचाई के साथ-साथ तापान्तर भी बढ़ता जाता है। वर्षा जल तथा बर्फ दोनों ही रूपों में होती है। वर्षा गर्मियों में अधिक होती है। वर्षा का औसत लगभग 100 सेण्टीमीटर है।

(11) **प्रेयरी-तुल्य जलवायु**—इस प्रकार की जलवायु महाद्वीप के पश्चिमी साइबेरिया तथा मंगोलिया के घास के मैदान में मिलती है। इस जलवायु की विशेषता गर्मियों में साधारण गर्मी तथा सर्दियों में कड़ाके की सर्दी है। गर्मी की ऋतु में गर्मी पड़ती है और तापमान लगभग 24° सेण्टीग्रेड तक मिलता है। सर्दी की ऋतु में कठोर ठण्ड पड़ती है और तापमान हिमांक से भी नीचे पहुंच जाता है। बर्फीली तीव्र एवं ठण्डी हवाएं चलती रहती हैं। वर्षा गर्मी एवं वसन्त ऋतु में होती है जिसका औसत लगभग 25 से 30 सेण्टीमीटर है। वर्षा एवं गर्मियों में पिघलने वाली बर्फ से कुछ घास उग आती है जिसे स्टैप घास के नाम से पुकारते हैं।

Scanned with CamScanner

(12) टैगा तुल्य जलवायु—एशिया के अत्यन्त ठण्डे प्रदेश साइबेरिया के उत्तरी भाग अथवा कोलम्बिया वन प्रदेशों में यह जलवायु पाई जाती है। इस जलवायु की प्रमुख विशेषता वर्ष में नौ माह सर्दियों तथा केवल तीन माह गर्मियों के होते हैं। गर्मियां केवल नाममात्र की छोटे समय की होती हैं जिसमें लगभग 5° सेन्टीग्रेड तापमान मिलता है। सर्दियां बड़ी कठोर और बहुत लम्बी होती हैं। चारों ओर बर्फ दिखाई देती है। तापमान – 50° सेन्टीग्रेड तक पहुंच जाता है। विश्व का सबसे ठण्डा प्रदेश वर्खोयांस्क इसी जलवायु प्रदेश में सम्मिलित है। यहां वर्षा सर्दियों में बर्फ के रूप में होती है। कुछ वर्षा गर्मियों में भी हो जाती है। वर्षा का वार्षिक औसत 50 सेन्टीमीटर है।

(13) टुण्ड्रा तुल्य जलवायु—संसार का सबसे ठण्डा उत्तरी 'शीत ध्रुव' एशिया महाद्वीप के उत्तर में है। इसे उत्तरी आर्कटिक महासागर के किनारे-किनारे एक पतली पेटी में पूरब से पश्चिम तक फैला हुआ है। ध्रुवीय अथवा टुण्ड्रा जलवायु की प्रमुख विशेषता वर्ष में नौ-दस माह की सर्दियां और दो माह की गर्मियां हैं। सर्दियों में कठोर ठण्ड पड़ती है। उत्तरी ध्रुवीय सागर अथवा आर्कटिक महासागर के बर्फ से जमा होने के कारण अत्यन्त ठण्डी एवं बर्फीली हवाएं इन भागों में तापमान बहुत गिरा देती हैं। सर्दियों में चारों ओर बर्फ के टीले दिखाई देते हैं। तापमान – 50° सेन्टीग्रेड तक पहुंच जाता है। गर्मियों में कुछ दिन के लिए मौसम खुलता है और तापमान 5° से 10° सेन्टीग्रेड तक मिलता है। वर्षा गर्मी की ऋतु में अधिक होती है। सर्दियों में वर्षा बर्फ के रूप में पड़ती है। वर्षा का वार्षिक औसत 25 सेन्टीमीटर है।

प्रश्न
(QUESTIONS)

बहुविकल्पीय प्रश्न (Objective Type Questions)

1. दक्षिणी-पूर्वी एशिया की तापीय विषुवत्‌रेखा किस अक्षांश पर स्थित है?
   (अ) 0° अक्षांश (ब) 5° दक्षिणी अक्षांश
   (स) 5° उत्तरी अक्षांश (द) 2° उत्तरी अक्षांश
2. एशिया महाद्वीप का अधिकांश भाग वर्षा प्राप्त करता है :
   (अ) पछुआ पवनों से (ब) मानसूनी पवनों से (स) ध्रुवीय पवनों से (द) जेट धाराओं से
3. एशिया के किस भाग में सर्वाधिक वर्षा होती है?
   (अ) पूर्वी (ब) पश्चिमी (स) दक्षिणी-पूर्वी (द) उत्तरी पूर्वी
4. टाइफून नामक चक्रवात से प्रभावित देश है :
   (अ) भारत (ब) इण्डोनेशिया (स) फिलीपीन्स (द) चीन
5. शीतोष्ण कटिबन्धीय चक्रवातों द्वारा शीत ऋतु में एशिया के किस भाग में वर्षा होती है?
   (अ) पश्चिमी (ब) उत्तरी-पूर्वी (स) दक्षिणी (द) दक्षिणी-पूर्वी
6. निम्नांकित में से कहां पर भूमध्यसागरीय जलवायु नहीं पाई जाती है?
   (अ) साइप्रस (ब) इराक (स) इजराइल (द) लेबनान
7. निम्न में से कौन-सा देश मानसूनी जलवायु के अन्तर्गत नहीं आता है?
   (अ) भारत (ब) चीन (स) इण्डोनेशिया (द) बांग्लादेश

[उत्तर—1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (अ), 6. (ब), 7. (स)।]

लघु उत्तरात्मक प्रश्न (Short Answer Type Questions)

1. एशिया में मानसूनी जलवायु वाले देशों के नाम लिखिए।
2. एशिया में वर्षा के वितरण प्रारूप का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
3. एशिया में मंचूरिया अथवा तूरान प्रकार की जलवायु की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
4. कोपेन के वर्गीकरण के अनुसार एशिया के जलवायु प्रदेशों के नाम लिखिए।
5. एशिया में पाए जाने वाले प्रमुख जलवायु प्रकारों के नाम लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न (Essay Type Questions)

1. "एशिया उत्कृष्ट रूप से मानसूनों का महाद्वीप है।" विवेचना कीजिए।
2. एशिया को जलवायु प्रदेशों में विभक्त कीजिए और उनकी प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner